

18/11/18

पत्रावली पेश हुई। बाकी व  
प्रतिवादी अथवा दो बार से  
वादी व प्रतिवादी को भी  
बही आ रहा है, अतः पत्रावली  
अथवा पेशी अथवा हजिरी  
स्वार्थिज की जाती है।

